

कुनो राष्ट्रीय उद्यान में चीते की मृत्यु

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मध्य प्रदेश के [कुनो नेशनल पार्क](#) में एक और नामीबियाई चीते की मौत हो गई।

- वर्ष 2022 में दक्षिण अफ्रीका के नामीबिया से लाए गए चीतों में से यह दसवाँ है जिसकी मृत्यु हुई है।

मुख्य बटु:

- भारत में चीते लगभग 70 वर्षों से विलुप्त हैं। [प्रोजेक्ट चीता](#) देश में इस प्रजाति को फरि से लाने की एक पहल है।
- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) के अनुसार, यह जंगली, बड़ी मांसाहारी प्रजाति का पहला अंतरमहाद्वीपीय पुन प्रवेश है।
- नामीबिया में एक गैर-लाभकारी संगठन, चीता कंज़रवेशन फंड (CCF) को भारत सरकार द्वारा भारत में चीतों को फरि से लाने के लिये एक कार्यक्रम में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया गया था।
- तत्कालीन पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने सितंबर 2010 में प्रोजेक्ट चीता का पहला अवलोकन साझा किया।
 - इसमें टास्क फोर्स के बारे में जानकारी के साथ-साथ विश्व में चीतों की वर्तमान स्थिति, भारत में चीतों को फरि से लाने के लाभ और जटिलताओं एवं उन कष्टों को रेखांकित किया गया, जहाँ उन्हें फरि से लाया जा सकता है।
 - जनवरी 2020 में, सर्वोच्च न्यायालय ने देश में चीतों को फरि से लाने के पायलट कार्यक्रम को स्वीकृति दे दी।
 - जुलाई 2020 में, भारत और नामीबिया गणराज्य ने एक समझौता ज्ञापन (MOU) पर हस्ताक्षर किये, जहाँ नामीबियाई सरकार कार्यक्रम के लिये आठ चीता को दान करने पर सहमत हुई।
- चार से छह वर्ष की उम्र के बीच की पाँच मादा और तीन नर दक्षिणपूर्व अफ्रीकी चीतों को भारत लाया गया तथा मध्य प्रदेश के कुनो नेशनल पार्क (KNP) में संगरोध में रखा गया।
- फरवरी 2023 में, परियोजना का वसितार करने के लिये दक्षिण अफ्रीका से 12 चीते लाए गए। MoEFCC ने आगे "अगले आठ से 10 वर्षों के लिये प्रत्येक वर्ष 12 और चीतों को स्थानांतरित करने" की योजना बनाई है।

चीता कंज़रवेशन फंड(CCF)

- CCF नामीबिया में एक अनुसंधान और लॉबी संस्थान है जो विश्व में सबसे बड़ी एवं स्वस्थ चीता आबादी के अध्ययन तथा भरण-पोषण से संबंधित है।
- इसका अनुसंधान और शिक्षा केंद्र, ओटजीवारोंगो के पूर्व में स्थित है।
- CCF की स्थापना वर्ष 1990 में संरक्षण जीववैज्ञानी लॉरी मार्कर द्वारा की गई थी, जिन्होंने नामीबिया में अपने पर्यासों के लिये 2010 टायलर पुरस्कार जीता था।

कुनो राष्ट्रीय उद्यान

- कुनो राष्ट्रीय उद्यान जो मध्य प्रदेश के श्योपुर ज़िले में स्थित है, नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से स्थानांतरित कई चीतों का आवास स्थान है।
- भारत में प्रोजेक्ट चीता औपचारिक रूप से 17 सितंबर, 2022 को चीतों की आबादी को बहाल करने के लिये शुरू हुआ, जिन्हें वर्ष 1952 में देश में विलुप्त घोषित कर दिया गया था।

चीता (Cheetah)



सामान्य नाम: एशियाई चीता

वैज्ञानिक नाम: एसिनोनिक्स जुबेटस (*Acinonyx jubatus*)

- ❖ एसिनोनिक्स जुबेटस जुबेटस (एशियाई चीता)
- ❖ एसिनोनिक्स जुबेटस वेनाटिकस (अफ्रीकी चीता)

विशेषताएँ:

- ❖ विश्व का सबसे तेज दौड़ने वाला स्तनधारी
- ❖ चीते अपनी क्षमता के बजाय गति के लिये जाने जाते हैं; जब ये अपने शिकार का पीछा करते हैं तो यह केवल **200-300** मीटर के लिये तथा **1** मिनट से कम अवधि का होता है।
- ❖ शेर, लकड़बग्घे और तेंदुए जैसे अन्य शक्तिशाली शिकारियों से प्रतिस्पर्धा से बचने के लिये चीते मुख्य रूप से दिन के दौरान शिकार करते हैं।

अफ्रीकी चीता बनाम एशियाई चीता:

- ❖ **अफ्रीकी:** हल्के भूरे और सुनहरे रंग की त्वचा; एशियाई चीते से मोटी
 - ❖ चेहरों पर धब्बों तथा रेखाओं की प्रधानता
 - ❖ पूरे अफ्रीका महाद्वीप में पाए जाते हैं
 - ❖ **IUCN रेडलिस्ट में स्थिति:** सुभेद्य (*Vulnerable*)
- ❖ **एशियाई:** अफ्रीकी चीतों से थोड़े छोटे
 - ❖ हल्के पीले रंग की त्वचा: शरीर के नीचे विशेष रूप से पेट पर अधिक बाल
 - ❖ केवल ईरान में पाए जाते हैं; देश द्वारा यह दावा किया जाता है कि अब यहाँ केवल **12** चीते शेष हैं।
- ❖ **वर्ष 1952:** एशियाई चीता को आधिकारिक रूप से भारत से विलुप्त घोषित किया गया
 - ❖ **IUCN रेडलिस्ट में स्थिति:** घोर संकटग्रस्त (*Critically Endangered*)



एशियाई चीता



अफ्रीकी चीता

भारत में चीतों का पुनर्वास:

- ❖ राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की 19वीं बैठक में MoEF-CC द्वारा "भारत में चीता पुनर्वास के लिये कार्ययोजना" जारी की गई थी। (जनवरी 2022)
 - ❖ इसी तरह की एक कार्ययोजना सर्वप्रथम वर्ष 2009 में प्रस्तावित की गई थी।
- ❖ सितंबर 2022 में नामीबिया से आठ चीतों को भारत में पुनर्वास हेतु लाया गया।
 - ❖ इन आठ चीतों को मध्यप्रदेश के कुनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान में स्थानांतरित किया जाएगा।
- ❖ नामीबिया से भारत में चीतों का स्थानांतरण विश्व भर में किसी बड़े मांसाहारी जानवर की पहली स्थानांतरण परियोजना है।



PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/cheetah-dies-at-kuno-national-park>

